अमर उजाला कानपुर। शनिवार । 23 फरवरी 2013

बबेरू सीएचसी माडल बना

बांदा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू को कोल्ड चेन प्रबंधन/सुरक्षित टीकाकरण/रिकार्ड व रिपोर्टिंग और कार्यक्रम प्रबंधन के लिए माडल अथवा डेमोइस्ट्रेशन ब्लाक के रूप में विकसित किया गया है। यहां समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि एम चिप परियोजना के तकनीकी सहयोग से बांदा जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को बबेरू सीएचसी में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें जनपद के सभी आईओ/कोल्ड चेन प्रबंधक शामिल हुए। एम चिप परियोजना जिला प्रतिनिधि डा.शैलेंद्र सिंह तोमर ने उन्हें टीकाकरण से संबंधित जानकारियां दीं। कोल्ड चेन प्रबंधक आसिफ अली ने बताया कि समय-समय पर टीक़ाकरण संबंधी प्रशिक्षण से नई जानकारियां मिलती हैं। टीककरण बेहतर होता है। माडल बनाने में सीएचसी अधीक्षक डा.एके सिंह और आसिफ अली का विशेष सहयोग रहा। ब्यूरो

3
www.samaylive.com
राष्ट्रीय सहारा
बांदा
कानपुर । शनिवार • 23 फरवरी • 2013

नियमित टीकाकरण के लिये विशेषज्ञों ने दी कोल्ड चेन की जानकारी

बबेरू, (एसएनबी)। नियमित टीकाकरण के सम्बन्ध में जिले के कोल्ड चेन प्रबन्धकों को कोल्ड चेन/सुरक्षित टीकाकरण, रिकार्डिंग रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण एम चिप के तकनीकी सलाहकार द्वारा जानकारियां दी गयी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभागार में एम चिप परियोजना के तकनीकी सलाहकार डा. शैलेन्द्र तोमर ने जिले से आये कोल्ड चेन प्रबन्धको को जानकारी देते हुये बताया कि एम चिप परियोजना के तकनीकी सहयोग से जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के सुद्धीकरण हेतु एतत प्रयास किये जा रहे है। सीएचसी बबेरू को टीकाकरण सम्बन्धित गतिविधियों के लिये डेमोंसट्रेशन ब्लाक के रूप में विकसित किया गया है। जिसका उद्देश्य समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित कर जनपद तथा अन्य जनपदो से आईओ/कोल्ड चेन प्रबन्धको को सही दिशा निर्देशो,तकनीकी तथा अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण में आये जिले के कोल्ड चेन प्रबन्धको को कोल्ड चेन/सुरक्षित टीकाकरण/रिकार्डिंग, रिपोर्टिंग कार्यक्रम प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कोलड चैन प्रबन्धक आसिफ अली, पूनम रानी, आदि के कोल्ड चेन प्रबन्धक मौजूद रहे।

बांदा : कोल्ड चेन की जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो : एसएनबी

आज
शनिवार २३ फरवरी २०१३ सौर ११ फाल्गुन सं. २०६९ वि.

बांदा सिटी
कानपुर, 23 फरवरी, 2013

मॉडल ब्लाक के रूप में विकसित किया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम सुदृढ़ीकरण के लिए दिया गया प्रशिक्षण

(आज समाचार सेवा)

बबेरु (बांदा) 22 फरवरी। एम चिप परियोजना के तकनीकी सहयोग से जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबेरु को कोल्ड चैन प्रबंधन, सुरक्षित टीकाकरण, रेकाई व रिपोर्टिंग कार्यक्रम प्रबंधन के लिए मॉडल या डेमोंस्ट्रेशन ब्लाक के रुप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित कर इस जनपद व अन्य जनपदों के आईओ, कोल्ड चैन प्रबंधकों को सही दिशा-निर्देश तकनीकी व अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में आज जनपद के सभी आईओ, कोल्ड चैन प्रबंधकों का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रशिक्षण आयोजित किया गया और सभी कोल्ड चैन प्रबंधकों को टीकाकरण से संबंधित तथ्यों की जानकारी एम चिप परियोजना के जिला प्रतिनिधि डा.शैलेन्द्र सिंह तोमर ने विस्तार से प्रदान की। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबेरु के कोल्ड चैन प्रबंधक आसिफ अली ने बताया कि समय-समय पर टीकाकरण संबंधित प्रशिक्षणों के आयोजित होने से कार्यक्रम से संबंधित नई-नई जानकारियां मिलती हैं, जिससे जिले का टीकाकरण बेहतर होता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबेरु में इस मॉडल या डेमोंस्ट्रेशन स्थल को अधीक्षक डा.एके सिंह व कोल्ड चैन प्रबंधक के सतत सहयोग से जिला अधिकारियों व एम चिप परियोजना के मार्गदर्शन में बनाया गया। निकट भविष्य में अन्य जिलों के कोल्ड चैन प्रबंधकों को भी प्रशिक्षण के लिए लाया जायेगा। इस दौरान पूनमरानी बांदा, नरैनी, जसपुरा आदि के कोल्ड चैन प्रबंधक मौजूद रहे।

बांदा जागरण

बबेरू आदर्श कोल्ड चेन हैंडलर चयनित

बबेरू : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यशाला के दौरान कोल्ड चेन हैंडलर को वैक्सीन रखरखाव की जानकारी दी गई। साथ ही बबेरू को आदर्श कोल्ड चेन हेंडलर चयनित किया गया। एक दिवसीय कार्यशाला में डा.शैलेंद्र तोमर प्रतिरक्षण अधिकारी आसिफ ने एमचिप के माध्यम से जानकारी दी। इसके अलावा जिले के कोल्ड चेन हेंडलर को डिमान्सट्रेशन साइड के लिए वैक्सीन रखरखाव की तकनीकी जानकारी दी गई। साथ ही बबेरू को आदर्श कोल्ड चेन हेंडलर चयनित करने के साथ ही वक्ताओं ने कहा कि इससे अन्य स्थानों को भी सीख लेनी चाहिए। इस दौरान जौरही से बल्देव, नरैनी से राधा शर्मा, बिसंडा से मुन्नालाल सविता, कमासिन से राजाराम रतन, महुआ से बदलूराम, जसपुरा से सावित्री देवी प्रशिक्षणार्थी के रूप में उपस्थित रही।